स्वतंत्र सोच, निष्पक्ष अभिव्यक्ति

RNI Regd. No. 7756/59

60 वां वर्ष

दण्डकारण्य समाचार

जगदलपुर व रायपुर से एक साथ प्रकाशित

■ जगदलपुर, शुक्रवार 13 जुलाई 2018 ■ वर्ष 60 ■ अंक 178 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य 2.00 ■ प्रधान संपादक - तुषार कांति बोस

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह आज नगर में

जगदलपुर, 12 जुलाई (सन्यूस)। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह कल शुक्रवार 13 जुलाई को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। डॉ. सिंह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रायपुर से सवेरे 11 बजे विमान द्वारा रवाना होकर 11.50 बजे जगदलपुर पहुंचेंगे और यहां दोपहर 12 बजे धरमपुरा में मुरिया समाज के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री और सहायता राशि का वितरण करेंगे। डॉ. सिंह दोपहर 1.10 बजे जगदलपुर के जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के बाद दोपहर 1.30 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शाम चार बजे रायपुर लौट जाएंगे।

आयुष्मान भारत योजना के लिए अनिवार्य होगा आधार

नई दिल्ली ,12 जुलाई (ए)। मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान भारत योजना के तहत मेडिकल सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य होगा। इस योजना के तहत केंद्र सरकार नागरिकों को सालाना 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज ऑफर करेगी। इसके साथ ही जिन नागरिकों के पास आधार कार्ड नहीं है, उन्हें आधार के आवेदन के लिए 31 मार्च, 2019 तक का समय दिया गया है। हालांकि आयुष्मान योजना कब से शुरू की जाएगी, इसे लेकर अभी तक कोई तारीख निर्धारित नहीं की गई है।

मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर ,12 जुलाई (ए)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में गुरुवार को मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। फिलहाल इलाके में आतंकियों के साथ मुठभेड़ जारी है। सेना के एक अधिकारी ने बताया, कुपवाड़ा जिले के जंगली इलाके में जारी मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। अधिकारी ने बताया कि सैन्य जवानों के एक गश्ती दल पर गोलीबारी के बाद बुधवार को कुपवाड़ा के कांदी वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने आतंकियों के खिलाफ अभियान की शुरुआत की।

शादी में हुए खर्च का हिसाब देना अनिवार्य करे सरकार

सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को सलाह

नई दिल्ली,12 जुलाई (ए)। यदि केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सलाह मानी तो जल्द ही आपको शादी में हुए कुल खर्चे-पानी का हिसाब किताब देना होगा. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह परिवारों के लिए शादी में हुए खर्चों का खुलासा करना अनिवार्य करने पर विचार करें.

कोर्ट के मुताबिक, वर और वधू दोनों पक्षों को शादी से जुड़े खर्चों को संबंधित मैरिज ऑफिसर को लिखित रूप से बताना अनिवार्य कर देना चाहिए. सरकार को इस बारे में नियम-कानून की जांच-परख करके संशोधन पर भी विचार करना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस कदम से दहेज के लेन-देन पर भी लगाम लगेगी. साथ ही, दहेज कानूनों के तहत दर्ज होने वाली फर्जी शिकायतें भी तब कम होंगी.

कोर्ट ने यह भी कहा है कि शादी के लिए तयशुदा खर्च में से एक हिस्सा पत्नी के बैंक अकाउंट में जमा करवाया जा सकता है ताकि भविष्य में वक्त-जरूरत पर इसका इस्तेमाल किया जा सके. कोर्ट ने कहा कि इसे अनिवार्य करने पर भी सरकार विचार कर सकती है. कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस बाबत एक नोटिस जारी कर कहा है कि सरकार अपने लॉ-ऑफिसर के जरिए इस मामले पर अपनी राय से कोर्ट के अवगत करवाए. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा- हम श्री पीएस नरसिंहा, अडिशनल सॉलिसिटर जनरल, से कोर्ट को असिस्ट करने का निवेदन करते हैं.

किस संदर्भ में कोर्ट ने दिया यह 'सुझाव'...

बता दें कि कोर्ट शादी से जुड़े एक विवाद पर सुनवाई कर रहा था जब उसने केंद्र सरकार को यह सलाह दी. इस मामले में पीड़ित पत्नी ने पति और उसके परिवार पर कई तरह के आरोप लगाए हैं. जबकि, पति-पक्ष ने पूरी तरह से दहेज लेने या ऐसी कोई मांग करने की बात से इंकार किया है.

सुनवाई के दौरान, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि विवाह संबंधी विवादों में दहेज मांगे जाने के आरोप-प्रत्यारोप सामने आते हैं. ऐसे में इस तरह की कोई व्यवस्था होनी चाहिए जिसके जरिए सच-झूठ का पता लगाने में ज्यादा से ज्यादा मदद मिले.

अनावरण

नई दिल्ली में तिलक मार्ग पर भारत पुरातात्विक सर्वेक्षण के नये भवन, धरोहर भवन के उद्घाटन के दौरान पट्टिका का अनावरण करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

थरूर के बयान पर मचा घमासान

भाजपा ने बोला हमला, बयान से कांग्रेस का किनारा

नयी दिल्ली ,12 जुलाई (ए)। भाजपा हिंदू पाकिस्तान वाले बयान को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर पर जोरदार हमला किया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस मोदी के खिलाफबोलने के लिए देश के लोकतंत्र पर हमला बोल रही है।

उन्होंने इसे हिंदुओं पर हमला भी करार दिया। उन्होंने थरूर के इस शर्मनाक बयान के लिए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से माफी की मांग की है। संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस नेहरू के समय से ही पाकपरस्ती करती आई है और आज भी उसका रवैया पहले वाला ही है। संबित पात्रा ने कहा है कि शशि थरूर ने कहा है कि भाजपा 2019 के लोकसभा चुनाव में जीतती है तो भारत हिंदू पाकिस्तान बन जाएगा। थरूर के इस बयान को पात्रा ने शर्मानाक करार दिया है। साथ ही कहा है कि यह देश के करोड़ों हिंदुओं का अपमान है।

आपको बतां दे कि शशि थरूर ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए तिरुवनंतपुरम में कहा था कि अगर 2019 में बीजेपी लोकसभा चुनाव जीतने में कामयाब होती है तो देश हिंदू पाकिस्तान बन जाएगा। तिरुवनंतपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए थरूर ने कहा की 2019 में बीजेपी जीती तो संविधान को तहस नहस कर देगी और एक ऐसे संविधान का निर्माण करेगी जो सिर्फहिंदू राष्ट्र के हितों की रक्षा करेगी। अपने इस बयान के पीछे शशि थरूर ने अपने तर्क दिए। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए बीजेपी को लोकसभा और राज्यसभा में बहुमत चाहिए। राज्यसभा में फिलहाल बीजेपी के पास बहुमत नहीं है लेकिन आने वाले समय में राज्यसभा में भी बीजेपी का बहुमत हो जाएगा। राज्यसभा में बहुमत हासिल करने के बाद बीजेपी हिंदू राष्ट्र के एजेंडे पर बढ़ेगी।

कांग्रेस ने अपने नेता शशि थरूर के उस बयान को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा है कि वर्ष 2019 में नरेंद्र मोदी के फिर से चुनाव जीतने पर भारत 'हिंदू पाकिस्तान' बन जाएगा। पार्टी ने यह भी कहा कि भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत है कि यह देश कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता।

कांग्रेस नेता जयवीर शेरगिल ने संवाददाताओं से कहा कि भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत है कि सरकारें आती जाती रहें, लेकिन यह देश कभी पाकिस्तान नहीं बन सकता। भारत एक बहुभाषी और बहुधर्मी देश है।

उन्होंने कहा कि मैं इस मंच से कांग्रेस के हर नेता और कार्यकर्ता से आग्रह करूंगा कि वे इस बात का ध्यान रखें कि किस तरह के बयान देने हैं। शेरगिल ने कहा कि चाहे भाजपा अपने नेताओं के विवादित बयानों पर चुप्पी साध ले, चाहे भाजपा आईएसआई को भारत बुलाए, चाहे भाजपा जम्मू-कश्मीर के चुनाव के लिए पाकिस्तान का शुक्रिया अदा करे, चाहे भाजपा के मंत्री अपराधियों को हार पहनाकर इस देश के संविधान को हरा दे, लेकिन हमें बोलने में सावधानी बरतनी चाहिए।

विदेश यात्राओं के लिए कांग्रेस ने गिनेस वर्ल्ड रेकॉर्ड्स को भेजा मोदी का नाम

पणजी,12 जुलाई (ए)। कांग्रेस की गोवा इकाई ने गिनेस वर्ल्ड रेकार्ड्स को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर सर्वाधिक विदेशी दौरे करने का रेकॉर्ड दर्ज करने की मांग की। पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस को इस रेकॉर्ड के लिए पीएम का नाम आगे करने की बहुत खुशी है।

गोवा कांग्रेस की तरफ से पत्र में लिखा गया, हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सुझाने में काफी खुशी हो रही है। पीएम मोदी ने चार साल के अपने कार्यकाल के दौरान 41 यात्राएं कर विश्व रेकॉर्ड कायम किया है। गोवा कांग्रेस के प्रवक्ता संकल्प अमोनकर द्वारा लिखे गए पत्र की प्रति मीडिया को भी उपलब्ध करायी गयी। अमोनकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है।

पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण में जनभागीदारी जरूरी : मोदी

नई दिल्ली,12 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से भारत की पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण में हिस्सेदारी की अपील की है और उन नियमों पर सवाल उठाया, जो लोगों को कुछ धरोहरों की तस्वीरें लेने से रोकते हैं।

प्रधानमंत्री ने गुरुवार को यहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के नव निर्मित मुख्यालय भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं सुरक्षा प्रदान करने में लोगों की भागीदारी जरूरी है। पीएम ने इस मौके पर धरोहर स्थलों पर फोटोग्राफी की मनाही को अप्रासंगिक बताते हुये कहा कि बदलते वक्त के साथ यह नियम भी बदलना चाहिये।

उन्होंने कहा कि हर धरोहर स्थल पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा होता है यहां फोटो खींचना मना है। अब वक्त बदल चुका है, तकनीक बदल चुकी है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश में किसी भी जगह खड़े स्कूटर का नंबर भी देखा जा सकता है, अब इस नियम को बदल देना चाहिये।

उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के अपने कार्यकाल का अनुभव सांझा करते हुये कहा कि सरदार सरोवर बांध के एक दौरे के समय उन्होंने लोगों से कहा कि वे इसके फोटो लें और सबसे अच्छी फोटो लेने वाले को पुरस्कृत किया जायेगा। वहीं यह भी कहा गया कि लोग फोटो को अपनी वेबसाइटों और सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे वहां आने वाले पर्यटकों की संख्या बढने लगी। इसके बाद राज्य सरकार ने वहां टिकट लगा दिया। इससे पर्यटन स्थल के रूप में बांध का प्रचार भी हुआ और राज्य को राजस्व की प्राप्ति भी हुई।

मॉन्यूमेंट्स की ले सकेंगे फोटो पहले से लगी पाबंदी हटेगी

नईदिल्ली, 12 जुलाई (ए)। देशभर में प्राचीन और एतिहासिक इमारतों की फोटो लेने पर लगी पाबंदी अब हटा दी जाएगी. ऐसे में लोग जी-भर के एतिहासिक इमारतों की फोटो खींच सकेंगे. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धरोहर भवन के उद्घाटन के दौरान फोटो खींचने में पाबन्दी पर सवाल खड़ा किया था. इसके बाद मंत्रालय ने इस पाबन्दी को हटाने की बात कही. जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी कर दिया जाएगा. अभी तक देशभर के कई एतिहासिक स्थलों की तस्वीरें उतारने पर पाबंदी लगी थी. वहीं कुछ धार्मिक स्थलों पर भी कैमरे ले जाने की अनुमति नहीं है. कहा जाता है कि ऐसा सुरक्षा के लिहाज से किया जा रहा है. हालांकि इस नए आदेश के आने के बाद लोगों को तस्वीरें खींचने का मौका मिलेगा.

अवार्ड

मुंबई में एनआरआई वर्ष अवार्ड में भाग लेते हुए फेमिना मीस इंडिया 2018 की विजेता श्रेया राव कामवरपु, अनुक्रृति वास एवं मीनाक्षी चौधरी।

संतों के विरोध के चलते बदली गई आयोजन की जगह

अयोध्या में नमाज

अयोध्या,12 जुलाई (ए)। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा अयोध्या में सरयू तट पर आयोजित नमाज कार्यक्रम की जगह अंतिम समय में बदलनी पड़ गई। जानकारी के मुताबिक, यह फैसला हिंदू संतों और अन्य लोगों के विरोध के बाद लिया गया। इस मामले में पहले खबरें आई थीं कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा करवाया जा रहा है। बाद में आरएसएस ने इस मामले पर स्पष्टीकरण देते हुए ऐसी खबरों को अफवाह बताया था।

गौरतलब है कि 12 जुलाई को अयोध्या में एक नमाज कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में यह प्रस्तावित था कि मुस्लिम समुदाय के लोग सरयू नदी में वजू करेंगे और वहीं तट पर नमाज पढ़ेंगे। यह कार्यक्रम मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा आयोजित किया गया। यह संगठन आरएसएस से जुड़े स्वामी इंद्रेश का है।

हालांकि, सरयू तट पर इस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कुछ संतों और हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने विरोध दर्ज कराया। राजू दास ने चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा कार्यक्रम होता है तो वह आत्मदाह कर लेंगे। संतों के विरोध को देखते हुए कार्यक्रम को नौ गजी मजार पर स्थानांतरित कर दिया गया।

जहरीली गैस के रिसाव से 6 की मौत

अनंतापुर,12 जुलाई (ए)। आंध्र प्रदेश के अनंतापुर जिले के ताडिपत्री में गेरदाऊ स्टील इंडिया लिमिटेड में जहरीली गैस के रिसाव की वजह से छह लोगों की मौत हो गई। इस घटना में पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे के बाद आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस का कहना है कि यह हादसा टेस्टिंग के वक्त हुआ है।

आज का इतिहास

1837 महारानी विक्टोरिया ने बकिंघम पैलेस में रहना शुरू किया।

1930 प्रथम विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता मांटेवीडियो (उरूग्वे)में 13 टीमों के साथ शुरू की।

1977 भारतरत्न पदमभूषन आदि नागरिक सम्मान वापस ले लिए गए।

2002 जम्मू में कासिम नगर मजदूर बस्ती पर आंतकवादियों का बड़ा हमला,कम से कम 24 मरे 31 घायल हुए।

बहुत खूब

बिना खुले ही रिलांइस जियो इंस्टिच्यूट को मिला उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा

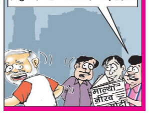
शुक्र है, दर्जा दिया है कर्जा नहीं!!
माल्या
नीरव
मोदी

दुनिया के सबसे बड़े परिवार में हैं 346 लोग

कीव 12 जुलाई (ए)। यूक्रेन निवासी सेमेनयुक परिवार ने दुनिया का सबसे बड़ा परिवार होने का दावा करते हुए गिनिस वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आवेदन किया है। इस परिवार के सबसे उम्रदराज सदस्य का नाम पावेल सेमेनयुक है और उनकी उम्र 87 साल है। मौजूदा समय में दुनिया का सबसे बड़ा परिवार होने का रिकॉर्ड भारत में 192 सदस्यों वाले परिवार के पास है। सेमेनयुक परिवार के सबसे उम्रदराज सदस्य वह खुद हैं, जबकि सबसे छोटे सदस्य की उम्र महज दो हफ्ता है। पावेल को अब परिवार के सभी सदस्यों के नाम याद रखने में दिक्कत होती है। पावेल कहते हैं कि वह हमेशा से एक बड़ा परिवार चाहते थे। जब उनकी पत्नी ने 13 बच्चों को जन्म दिया तो उन्हें बेहद खुशी हुई। बच्चों का परिवार बढ़ा और अब पोते-पोतियां व पर पोते और पोतियां मिलाकर परिवार के सदस्यों की संख्या 346 पर पहुंच गई है। यह पूरा परिवार दक्षिण यूक्रेन के ओडेसा ओब्लास्ट क्षेत्र के दोब्रोस्लाव गांव में रहता है। पावेल के 13 बच्चे, 127 पोते-पोतियां, 203 पर पोते-पोतियां और 3 सदस्य उसकी भी अगली पीढ़ी के हैं। अभी यह रिकॉर्ड भारत के मिजोरम के जियोना परिवार के नाम है। इस परिवार में 192 सदस्य हैं। हाल ही में पावेल परिवार का नाम यूक्रेन के नेशनल रिकॉर्ड्स रजिस्टर में यूक्रेन के सबसे बड़े परिवार के तौर पर दर्ज किया गया है।

आज सूर्यग्रहण 44 साल में पहली बार होगा ऐसा

नईदिल्ली, 12 जुलाई (ए)। शुक्रवार यानी 13 जुलाई को आंशिक सूर्यग्रहण लगने जा रहा है। हालांकि, इस ग्रहण को ज्यादा लोग नहीं देख पाएंगे लेकिन यह ग्रहण कुछ मायनों में दूसरे सूर्यग्रहण से अलग है। दरअसल, यह सूर्यग्रहण 13 जुलाई को लगेगा और इस दिन शुक्रवार है। इस 13 तारीख और शुक्रवार के मेल को लोकप्रिय संस्कृति में बुरी किस्मत का सूचक माना जाता है। इस दिन और तारीख को 44 साल पहले ग्रहण लगा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, 13 दिसंबर 1974 के बाद से अब तक कोई भी सूर्यग्रहण ऐसा नहीं रहा। अब शुक्रवार और 13 तारीख के मेल वाला यह सूर्यग्रहण 13 सितंबर 2080 में लगेगा। यह सूर्यग्रहण भारत में नहीं दिख रहा है।

समलैंगिकता पर सुनवाईः केंद्र की सुको में दलील

धारा 377 की बहस से धर्म को रखें बाहर

नईदिल्ली ,12 जुलाई (ए)। सुप्रीम कोर्ट में आईपीसी की धारा 377 की वैधता को लेकर सुनवाई चल रही है. गुरुवार को बहस के दौरान केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह करते हुए कहा कि 'धारा 377 को अपराध माना जाए या नहीं' इस बहस में धार्मिक मान्यताओं को बाहर रखा जाए.

गुरुवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने संक्षिप्त निवेदन में संवैधानिक बेंच से धर्म के मामले में स्पष्ट होने का निवेदन किया. उन्होंने कहा कि कोर्ट को धारा 377 की संवैधानिकता और वैधता पर अपनी चर्चा को तब तक सीमित रखना चाहिए जब तक कि यह दो समलैंगिक व्यस्कों के बीच निजी तौर पर बने संबंधों को अपराध मानता है, जिसके लिए अधिकतम आजीवन कारावास की सजा तक हो सकती है.

इसके बाद मेहता ने बेंच के सामने देवदत्त पटनायक की एक पुस्तक रखी, जिसमें कुछ धार्मिक कहानियां हैं. दरअसल दूसरे पक्ष ने भी इस किताब से कुछ उदाहरण पेश किए थे, जिस पर मेहता ने कोर्ट से कहा कि उन्हें लगता है कि धार्मिक मान्यताओं और चरित्रों को इस बहस से बाहर रखा जाना चाहिए. इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि धारा 377 पर सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला होगा सरकार को वह मान्य होगा.

इसी बीच धारा 377 के पुनर्मूल्यांकन के लिए अपील करने वाले याचिकाकर्ता सुरेश कुमार कौशल ने मामले में हस्तक्षेप किया और दंड प्रावधान के खिलाफ तर्क दिया. दो ईसाई संघों के वकील मनोज जॉर्ज ने धारा 377 को खत्म करने का विरोध करते हुए मामले में केंद्र सरकार पर यू-टर्न लेने का आरोप लगाया.

हालांकि तुषार मेहता ने इस आरोप को खारिज कर दिया. बेंच ने जवाब देते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दी गई 'रियायत' के बावजूद, धारा 377 की वैधता न्यायिक घोषणाओं और संवैधानिक मानदंडों के विवादों पर अभी भी तय की जाएगी. उम्मीद की जा रही है कि अगले सप्ताह मंगलवार को बेंच इस मामले पर अपना फैसला सुना देगी.

लॉग ऑन करें : दण्डकारण्य समाचार इंटरनेट संस्करण http://www.dandakaranyasamachar.com Go